Marking Scheme

BSEH Model Paper (2024-25)

CLASS: 10th (Secondary) (Maximum Marks: 20) **Code: A**

हिंदुस्तानी संगीत वादन

(Hindustani Music Instrument) Melodic

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(**01** X **05** = **05**)

....

प्र01 एक ताल में पहली मात्रा पर क्या आता है? **01**

उ0 **(A)** सम

प्र02 एक ताल में दूसरा खाली चिह्न आता है? **01**

उ0 **(C)** सांतवी मात्रा पर

प्र0 3 एक ताल में तीसरी ताली चिह्न..................... मात्रा पर आता है **01**

उ0 नौवीं मात्रा

प्र0 4 अभिकथन **(A):** किसी ताल के सम से सम तक के आधें चक्र को आवर्तन कहते हैं। **01**

कारण **(R):** ताल में सम का चिह्न पहली मात्रा पर आता हैं।

उ0 **(D) A** असत्य है परंतु **R** सत्य है।

प्र0 5 सितार में कितनी तारें होती है? **01**

उ0 07

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(**02** X **02** = **04**)

....

प्र0 6 गिटार में कितनी तारें होती है तथा वायलिन में कितनी तारें होती है ? **02**

उ0 गिटार में 06 तारें होती है तथा वायलिन में 04 तारें होती है ?

प्र0 7 सरोद में कितनी तारें होती हैं तथा सारंगी में कितनी तारें होती है ? **02**

उ0 सरोद में 04 मुख्य तारें, चार सहायक तारें तथा लगभग 12 तरब की तारें होती हैं तथा सारंगी में मुख्य तीन मोटे तार शेष तरब की तारें होती है।

Download from www.MsEducationTv.com

(अथवा)

(OR)

प्र0 **8** दिलरूबा में कितनी तारें होती हैं तथा इसराज में कितनी तारें होती है ? **02**

उ0 दिलरूबा में 04 तारें होती हैं तथा इसराज में 04 तारें होती है।

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(**03 X 02 = 06**)

प्र0 9 पं शिव कुमार के जीवन परिचय बारे वर्णन करें। **03**

उ0 पं शिव कुमार जी का संगीत से सम्बधिंत किए गए कार्यो पर विवरण करने पर पूरे अंक दिये जांए।

पंडित शिव कुमार जी का जन्म 13 जनवरी 1938 को जम्मू में हुआ था। इनके पिता का नाम पंडित उमादत शर्मा है जो जाने–माने गायक थे। सिर्फ पांच साल की आयु में ही पंडित शिव कुमार ने संगीत सीखना शुरू कर दिया था, पिताजी से उन्होनें स्वर और तबला दोनो की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। सिर्फ 13 साल की आयु में संतुर सीखना शुरू कर दिया। पंडित शिव कुमार ने देश में संतूर लोकप्रिय शास्त्रीय वाद्य यंत्र बनाया है इसलिए इनका पूरा श्रेय इन्ही को ही जाता है। वर्ष 1955 में मात्र 17 साल की आयु में मुंबई में संतूर वादन का पहला शो किया। जिसके बाद संतूर की धुन लोगों का पसंद आने लगी। इसके बाद इन्होनें साल 1956 में फिल्म ‘‘झनक–झनक पायल बाजे’’ के लिए संगीत कंपोज किया था। पंडित शिव कुमार शर्मा को भारत सरकार द्वारा 1991 में पदम श्री और 2001 में पद्म विभूषण से नवाज़ा गया है। इसके साथ ही 1985 में संयुक्त राज्य बाल्टीमोर की मानद नागरिकता प्रदान और 1986 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पंडित शिव कुमार शर्मा जी 10 मई 2022 को 84 साल की आयु में कार्डियक अरेस्ट की वजह से निधन हो गया। जिससे संगीत जगत में बहुत बडी हानि पहुची।

प्र0 10 संगीत ग्रंथ ‘नाट्यशास्त्र’ का सम्पूर्ण परिचय दे। **03**

उ0 चौथी शताब्दी के लगभग भरतमुनि ने नाटयशास्त्र नामक ग्रन्थ लिखा। संगीत के इतिहास में यह पहला ऐसा ग्रन्थ है, जिसके अन्तिम छः अध्यायों में संगीत सम्बन्धी महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया है। इसके अन्तर्गत वर्णित अधिकांश तथ्य आज भी शत–प्रतिशत सही माने जाते हैं। नाट्य शास्त्र के 28वें अध्याय में वाद्यों के प्रकार श्रुति, स्वर, ग्राम, मूर्च्छना, जाति–भेद तथा उनके लक्षण ग्रह, अंश, न्याय, उपन्यास, अलपत्व, बहुत्व, षाडवत्व, औडवत्व आदि पर प्रकाश डाला गया है। 29वें अध्याय में वीणा, उनकी वादन–विधि जातियों के रसानुकूल प्रयोग का विवरण है। 30वें अध्याय में सुषिर वाद्यों का विवरण, 31वें अध्याय में कला, लय और विभिन्न तालों का विवरण दिया गया हैं। 32वें अध्याय में गायक–वादक के गुण ध्रव के 5 भेद, छनद आदि तथा 33वें अध्याय में अवनद्ध वाद्यों की उत्पति, भेद, वादन–विधि, वादकों के लक्षण आदि दिए गए है। इस प्रकार इन 06 अध्यायों में संगीत सम्बधीं जानकारी पूर्ण रूप से प्राप्त करवाने में संगीत ग्रंथ ‘नाट्यशास्त्र’ की बहुत महत्वता है।

(अथवा)

(OR)

प्र011 सितार का चित्र बनाकर उसके अंगों का विवरण दें। या पाठ्यक्रम से चयनित किसी वाद्य का चित्र बनाकर उसके अंगों का विवरण दें। 03

उ0 सितार का चित्र बनाने व उसक अंगों का नाम लिखने पर 01 अंक दिया जाए और अंगों को परिभाषित करने पर पूरे अंक दिये जाए।

Download from www.MsEducationTv.com

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(05 X 01 = 05)

प्र012 राग भीमप्लासी का शास्त्रीय परिचय लिखें **05**

उ0 राग भीम प्लासी का शास्त्रीय परिचय लिखने पर पूरे अंक दिये जायें। चौताल का एक गुन लिखने पर 01 अंक व दो गुन लिखने पर पूरे अंक दिये जायें।

राग भीमप्लासी

थाट : काफी,

जातिः औडव–सम्पूर्ण

वादीः मध्यम (म)

संवादी : षड्ज (सा)

आरोहः ऩि सा ग म प नि सां।

अवरोहः सां नि ध प, म प ग म ग रे सा।

पकड़ : ऩि सा म, म प ग, म ग रे सा।

गायन समय : दिन का तीसरा प्रहर।

(अथवा)

(OR)

प्र013 राग भीम प्लासी की रजाखानी गत को स्वरलिपिबद्ध करें।

उ0 राग भीम प्लासी की रजाखानी गत लिखने पर पूरे अंक दिये जायें।

Download from www.MsEducationTv.com